



DCW-1601100101010201 Seat No. _____

B. A. (Sem. I) (CBCS) (WEF-2016) Examination

August - 2022

Sanskrit : Paper-2 (Core)

(Sanskrit Sahityano Itihas)

(Common Paper for 2015 & 2016)

(Old Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours]

[Total Marks : 70

सूचना / Instructions :

- (१) कोईपश् पांय प्रश्नोना उत्तर आपो.
(1) Attempt any five questions.
(२) बधा ४ प्रश्नोना गुण सरभा छे.
(2) All questions carry equal marks.

- | | | |
|---|---|----|
| १ | संस्कृत नाटकनी उत्पत्ति विशे यर्था करो. | १४ |
| 1 | Discuss the origin of Sanskrit drama. | 14 |
| २ | 'शिशुपालवधम्'नो संक्षिप्त परिचय आपी तेनुं मडाकाव्य तरीके मूल्यांकन करो. | १४ |
| 2 | Give brief introduction of 'शिशुपालवधम्' and evaluate it as an epic. | 14 |
| ३ | 'कुमारसंभवम्'नो संक्षिप्त परिचय आपी तेनुं मडाकाव्य तरीके मूल्यांकन करो. | १४ |
| 3 | Give brief introduction of 'कुमारसंभवम्' and evaluate it as an epic. | 14 |
| ४ | 'दशकुमारचरितम्'ने आधारे दंडीनुं गद्यकार तरीके मूल्यांकन करो. | १४ |
| 4 | Evaluate दण्डी as a prose writer with reference to 'दशकुमारचरितम्'. | 14 |

५	संस्कृत गद्यना उद्गम अने विकासनी प्रक्रिया आलेखो.	१४
5	Describe the origin and development of Sanskrit prose.	14
६	‘अभिज्ञानशाकुन्तलम्’ने लक्ष्मी राणी कालिदासनुं नाट्यकार तरीके मूल्यांकन करो.	१४
6	Evaluate कालिदास as a dramatist with reference to ‘अभिज्ञानशाकुन्तलम्’.	14
७	‘मृच्छकटिकम्’ने लक्ष्मी राणी शूद्रकनुं नाट्यकार तरीके मूल्यांकन करो.	१४
7	Evaluate शूद्रक as a dramatist with reference to ‘मृच्छकटिकम्’	14
८	‘कादम्बरी’ने अनुलक्षीने बाणभट्टनुं गद्यकार तरीके मूल्यांकन करो.	१४
8	Evaluate बाणभट्ट as a prose writer with reference to ‘कादम्बरी’.	14
९	टूंकनोंध लेखो :	१४
9	Write short notes :	14
	(१) गङ्गालहरी	
	(२) मेघदूतम्	
१०	टूंकनोंध लेखो :	१४
10	Write short notes :	14
	(१) बुद्धचरितम्	
	(२) स्वप्नवासवदत्तम्	